अखंड भारत समाचार

पेज़ 07 मूल्य 4 रुपए गुरुवार,4 जून 2026 प्रकाशित – न्यू दिल्ली अंक:02

विज्ञापन दें

विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें
8708565733

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल हुए पांच नए देश

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सुरक्षा परिषद के लिए पांच नए अस्थायी सदस्य देशों का चुनाव किया है। चुने गए देशों में ऑस्ट्रिया, किर्गिज़स्तान, पुर्तगाल, त्रिनिदाद एवं टोबैगो और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

इन सभी देशों का कार्यकाल 1 जनवरी 2027 से शुरू होगा और वे अगले दो वर्षों तक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी भूमिका निभाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण निर्णय लेने वाली संस्थाओं में गिना जाता है। अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा और संघर्षों से जुड़े कई बड़े फैसले इसी परिषद के माध्यम से लिए जाते हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि नए सदस्य देशों के शामिल होने से वैश्विक मुद्दों पर नए दृष्टिकोण सामने आएंगे। खासतौर पर किर्गिज़स्तान का पहली बार सुरक्षा परिषद में पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

दुनिया के कई देशों ने नए सदस्यों के चयन का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि वे वैश्विक शांति और सहयोग को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री और राष्ट्र के सम्मान पर कोई समझौता नहीं: कैप्टन जे.बी. कार्की

अखिल भारतीय राष्ट्रीय गोरखा मोर्चा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री कैप्टन जे.बी. कार्की ने एक प्रेस वक्तव्य जारी करते हुए कहा है कि भारतीय गोरखा समाज राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति पूरी तरह समर्पित है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय गोरखा मोर्चा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं अध्यक्ष तथा पूर्व मंत्री कैप्टन जे.बी. कार्की ने एक प्रेस वक्तव्य जारी करते हुए कहा है कि भारतीय गोरखा समाज राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान के प्रति पूरी तरह समर्पित है। हाल ही में मीडिया में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संबंधित प्रसारित कुछ टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कैप्टन कार्की ने कहा कि भारतीय गोरखा समाज राष्ट्रहित से जुड़े किसी भी विषय पर सदैव सजग और प्रतिबद्ध रहा है। गोरखा समाज का देश की रक्षा में ऐतिहासिक योगदान कैप्टन कार्की ने कहा कि वीर गोरखा समुदाय का भारत की रक्षा, सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में ऐतिहासिक योगदान रहा है। देश के लिए अनेक बलिदान देने वाले गोरखा समाज ने हमेशा राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में करोड़ों गोरखा मूल के लोग भारत के विभिन्न राज्यों में निवास कर रहे हैं और गर्व के साथ स्वयं को भारतीय नागरिक मानते हैं। भारतीय गोरखा समाज देश की मुख्यधारा का अभिन्न अंग है तथा सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ।

भारत से गोरखा समाज का संबंध सदियों पुराना अपने वक्तव्य में उन्होंने गोरखा समाज और भारत के ऐतिहासिक संबंधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गोरखा समुदाय लंबे समय से भारत की सेवा और सुरक्षा में अपना योगदान देता आया है और भविष्य में भी राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य करता रहेगा। कूटनीतिक मर्यादा और आपसी सम्मान बनाए रखने की अपील कैप्टन कार्की ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री, देश की संप्रभुता अथवा राष्ट्रीय सम्मान के विरुद्ध किसी भी प्रकार की अनुचित टिप्पणी भारतीय गोरखा समाज को स्वीकार नहीं होगी। उन्होंने पड़ोसी देशों के नेताओं और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे भारत से जुड़े विषयों पर वक्तव्य देते समय कूटनीतिक मर्यादाओं, तथ्यों और आपसी सम्मान का विशेष ध्यान रखें। संवाद और सम्मान ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों का आधार उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद, परस्पर सम्मान और कूटनीतिक संतुलन ही सबसे प्रभावी मार्ग हैं। सभी देशों को इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर अपने संबंधों को आगे बढ़ाना चाहिए। कैप्टन कार्की ने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय गोरखा समाज आगे भी राष्ट्रहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत की अखंडता की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करता रहेगा

हिजबुल्लाह पर बैन, सिक्योरिटी जोन... लेबनान में सीजफायर अब लागू करेगा इजरायल

अमेरिका की मध्यस्थता में इजरायल और लेबनान ने सीजफायर लागू करने पर सहमति जताई है. समझौते के तहत हिजबुल्लाह को लिटानी नदी के दक्षिणी इलाके से हटना होगा और वहां लेबनानी सेना की तैनाती रहेगी. हालांकि इस पूरी बातचीत में हिजबुल्लाह शामिल नहीं था. इजरायल और लेबनान ने अमेरिका की मध्यस्थता में संघर्ष विराम (सीजफायर) को लागू करने पर सहमति जताई है. वॉशिंगटन में हुई वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने कहा कि क्षेत्र में शांति बहाल करने और लंबे समय से जारी हिंसा को रोकने के लिए कई अहम पॉइंट्स पर सहमति बनी हैहालांकि इस समझौते का सबसे बड़ा ट्विस्ट यह है कि जिसके साथ जंग चल रही है वो हिजबुल्लाह इस बातचीत का हिस्सा ही नहीं था. इसके बावजूद समझौते की प्रमुख शर्तें सीधे तौर पर हिजबुल्लाह को ही निशाना बनाती हैं. समझौते में कहा गया है कि सीजफायर तभी प्रभावी माना जाएगा जब हिजबुल्लाह पूरी तरह से गोलीबारी बंद करेगा और लिटानी नदी के दक्षिणी क्षेत्र से अपने सभी लड़ाकों और ऑपरेटिव्स को हटाएगा. इसके साथ ही उन इलाकों में सिर्फ लेबनानी सेना का नियंत्रण स्थापित किया जाएगा और किसी भी गैर-सरकारी सशस्त्र समूह (हिजबुल्लाह) की मौजूदगी स्वीकार नहीं होगी.

कुवैत में भारतीय की मौत पर तमाशबीन बना अमेरिका, ट्रंप की दोगली नीति, अमेरिकी मरेगा तभी करेंगे ईरान पर हमला

Iran Kuwait Attack: डोनाल्ड ट्रंप अपनी नाक बचाकर इस युद्ध से भाग निकलने की कोशिश कर रहे हैं और इसीलिए अनाप शनाप बयानबाजी ईरान को लेकर करते हैं। हकीकत यही है कि ईरान ने अमेरिका की पीठ से खाल खींच लिया है। अमेरिका के पास भागने का रास्ता नहीं बचा है। वॉशिंगटन: ईरान युद्ध में अमेरिका की एक और दोगली नीति सामने आई है। डोनाल्ड ट्रंप को सिर्फ अमेरिकी मौत से ही फर्क पड़ता है और अगर किसी और देश का नागरिक मरे या घायल हो तो अमेरिका को कोई टेंशन नहीं है। मिडिल ईस्ट की युद्ध की आग में झोंककर अमेरिका बेगुनाह नागरिकों को मार रहा है। कुवैत में हुए ईरान के हमले में एक भारतीय की मौत हो गई है और कुछ घायल हो गये हैं लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को इन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। वॉल स्ट्रीट जर्नल (WSJ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सहयोगियों से निजी तौर पर कहा है कि उनका ईरान के साथ पूरी तरह से युद्ध शुरू करने का कोई इरादा नहीं है जब तक कि तेहरान अमेरिकी सैनिकों को मार न दे। यानि अमेरिका के पास अब हिम्मत ही नहीं बची है कि वो ईरान पर हमला कर सके। ईरानी मिसाइलों ने मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य ठिकानों में जो तबाही मचाई है उसने अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के पैरों तले जमीन खिसका दी है। डोनाल्ड ट्रंप इसीलिए असहाय नजर आ रहे हैं और ईरान के सामने सरेंडर की अवस्था में हैं।

एक साल के भीतर नरेंद्र मोदी नहीं होंगे प्रधानमंत्री', राहुल गांधी का बड़ा दावा, कहा- अंदर की जानकारी...

Rahul Gandhi on PM Modi: राष्ट्रीय आदिवासी प्रोफेशनल कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि देश में भयंकर आर्थिक सुनामी अब आ रही, जिसे कोई नहीं रोक सकता. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार (3 जून 2026) को राष्ट्रीय आदिवासी प्रोफेशनल कॉन्क्लेव को संबोधित किया. आदिवासी और वनवासी शब्दों का फर्क साफ करते हुए उन्होंने आदिवासी समुदाय को भारत की सभ्यता और इतिहास की जड़ बताया. इस दौरान उन्होंने केंद्र की बीजेपी सरकार और आरएसएस पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और आरएसएस आदिवासियों को जल, जंगल, जमीन के अधिकारों से वंचित रखना चाहते हैं. उन्होंने 'आदिवासी प्रोफेशनल्स कॉन्क्लेव 2026' में बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने के बाद सभा को संबोधित किया और आदिवासियों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की. राहुल गांधी ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी और मैं आपके अधिकारों का सम्मान करते हैं तथा उनकी रक्षा के लिए हर कदम उठाने को, हर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं. आदिवासी प्रकोष्ठ के प्रमुख विक्रांत भूरिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को पारंपरिक आदिवासी टोपी भी भेंट कीइस दौरान उन्होंने दावा किया, 'भयंकर आर्थिक सुनामी अब आ रही है. हर चीज के दाम बढ़ने वाले हैं. हिन्दुस्तान का जो प्रोटेक्शन सिस्टम था, उसको बीजेपी ने हटा दिया. ऐसी इकोनॉमिक क्राइसिस आएगी जो आपने अपने जीवन में नहीं देखी होगी. इसको अब कोई रोक नहीं सकता है.'

विराट कोहली के बाद अब रोहित शर्मा होंगे ODI सीरीज से बाहर? हार्दिक पंड्या पर भी सस्पेंस

अगर विराट कोहली के बाद रोहित शर्मा भी अफगानिस्तान सीरीज से बाहर रहते हैं, तो यह भारतीय टीम के लिए डबल सेटबैक होगा. ऐसे में टीम इंडिया के युवा खिलाड़ियों पर बड़ी जिम्मेदारी आ जाएगी और उन्हें खुद को साबित करने का एक बड़ा मंच भी मिलेगा. IPL (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 खत्म होते ही भारतीय क्रिकेट फैन्स की नजरें 13 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज पर टिक गई थीं. लेकिन वनडे सीरीज शुरू होने से पहले ही टीम इंडिया को एक नहीं, बल्कि दो-दो बड़े झटके लगते दिखाई दे रहे हैं. पहले विराट कोहली के चोटिल होकर सीरीज से बाहर होने की खबर आई और अब पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस ने भी भारतीय टीम की चिंता बढ़ा दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोहित शर्मा आईपीएल 2026 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से अभी तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाए हैं. ऐसे में वनडे सीरीज में उनका खेलना मुश्किल माना जा रहा है. यदि ऐसा होता है तो भारत को अपनी दो सबसे बड़े मैच विनर्स विराट कोहली और रोहित शर्मा के बिना मैदान पर उतरना पड़ सकता है.

रोहित को अब तक फिटनेस क्लियरेंस नहीं

रोहित शर्मा का सेलेक्शन फिटनेस मंजूरी के अधीन किया गया था. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा के समय साफ कहा था कि रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (CoE) से फिटनेस क्लियरेंस मिलने के बाद ही टीम से जुड़ने की अनुमति दी जाएगी.

फुटबॉल वर्ल्ड कप में FIFA के फैसले से मचा बवाल, इस चीज को किया गया बैन, वजह है खास

FIFA ने 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप के सभी स्टेडियमों में दर्शकों के लिए री-यूजेबल पानी की बोतलें ले जाने पर बैन लगा दिया है. सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए संस्था ने स्टेडियम कोड ऑफ कंडक्ट में बदलाव किया है. बढ़ती गर्मी को देखते हुए फैन्स ने चिंता जताई है, हालांकि FIFA ने हाइड्रेशन स्टेशन, कूलिंग टेंट और अन्य सुविधाओं का भरोसा दिया है. फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के दौरान स्टेडियमों में प्रवेश करने वाले दर्शक अब अपनी री-यूजेबल पानी की बोतलें साथ नहीं ले जा सकेंगे. FIFA ने टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक पहले अपने स्टेडियम कोड ऑफ कंडक्ट में बदलाव करते हुए यह फैसला लिया है.

नया नियम मंगलवार से लागू हो चुका है. फुटबॉल वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक खेला जाएगा और इसकी मेजबानी संयुक्त रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको कर रहे हैं. इससे पहले FIFA (Federation Internationale de Football Association/International Federation of Association Football) ने खाली और पारदर्शी प्लास्टिक की री-यूजेबल बोतलों को स्टेडियम के अंदर ले जाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब संशोधित नियमों के तहत ऐसी बोतलों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है.

गोविंदा का करियर बर्बाद हुआ नहीं, उसे बर्बाद किया गया', जब पहलाज निहलानी ने खोला था 'पार्टनर' के बाद का पूरा सच

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्म प्रोड्यूसर और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) के पूर्व चेयरमैन पहलाज निहलानी का 76 साल की उम्र में निधन हो गया है. उनके जाने से फिल्म इंडस्ट्री में एक ऐसा खालीपन आ गया है, जिसे भरा नहीं जा सकता. निहलानी सिर्फ एक प्रोड्यूसर ही नहीं थे, बल्कि 90 के दशक के सुपरस्टार गोविंदा के गॉडफादर भी थे. अपने आखिरी दिनों में 'इल्जाम', 'शोला और शबनम' और 'आंखें' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले फिल्ममेकर ने गोविंदा के करियर के बारे में एक चौंकाने वाला और कड़वा सच बताया था, जिसने पूरी इंडस्ट्री को हिलाकर रख दिया था. एंटरटेनमेंट की दुनिया से एक बहुत ही दुखद खबर आई है. हिंदी सिनेमा के सुनहरे दौर की शुरुआत करने वाले और कई कल्ट फिल्में बनाने वाले पहलाज निहलानी अब हमारे बीच नहीं रहे. 76 साल की उम्र में उनका निधन हो गया. उनके निधन की खबर ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है, खासकर एक्टर गोविंदा के लिए. यह एक पर्सनल और कभी न पूरी होने वाली क्षति है. पहलाज निहलानी ने ही गोविंदा के छिपे हुए टैलेंट को पहचाना और उन्हें फिल्म 'इल्जाम' (1986) से बड़ा ब्रेक देकर रातोंरात स्टार बना दिया. इसके बाद दोनों ने 'शोला और शबनम' और 'आंखें' जैसी ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर राज किया..

SANAND
is ready for its
next chapter...
Antra
Antra Developers
A new
VIBE.
A new
DESTINATION.
A new
STANDARD.
COMING SOON
BY
ANTRA DEVELOPERS
Antra
CRAFTING LIFESTYLES
BUILDING FUTURES
PREMIUM LIFESTYLE
FUTURE READY
GROWTH CORRIDOR
TRUSTED DEVELOPER
SANAND - NALSAROVAR ROAD

Antra
Antra Developers
OICCI
OASIS INTERNATIONAL CHAMBER OF COMMERCE AND INDUSTRY
OICCI (Oasis Group) - Global Strategic Partner of Antra Group
YOUR VISION.
OUR MISSION.
हर कदम भरोसे का, हर दिशा विकास की
INDIA'S FASTEST GROWING REAL ESTATE COMPANY
RESIDENTIAL
INDUSTRIAL
COMMERCIAL
SMART CITY PLOTTING
India's One of the Largest Growing Companies
Future-Ready Investment
Trusted Name for Generations
BOOK YOUR PLOT NOW
info@antradevelopers.com
Call / WhatsApp: 7878781509
8708565733
www.antradevelopers.com

OICCI
Antra
हर कदम भरोसे का हर दिशा विकास की
हम लेकर आ रहे है
आपके शहर में
DHOLERA SMART CITY
CEO CONCLAVE 2026
देशभर के उद्यामपतियों, निवेशकों, बिजनेस लीडर्स और चैनल पार्टनर्स को
CEO CONCLAVE में आमंत्रित कर रहे है।
भविष्य के भारत की सबसे बड़ी
SMART CITY OPPORTUNITY
पर विशेष चर्चा
★ You Are Invited ★
INVESTMENT OPPORTUNITIES
FUTURE INFRASTRUCTURE
BUSINESS NETWORKING
WEALTH CREATION
CHANNEL PARTNERS
8708565733
7878781509
www.antradevelopers.com

दिल्ली- होटल में आग से 21 मौतें, मालिक हिरासत में:मरने वालों में 11 विदेशी, 8 राजस्थान-हरियाणा के; होटल की फायर NOC नहीं थीं

दिल्ली में मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार को आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक मरने वालों में 10 भारतीय और 11 विदेशी नागरिक हैं। इनमें 9 अफ्रीकी और 2 तुर्कमेनिस्तान के हैं। एजेंसी ने पहले विदेशी नागरिकों का आंकड़ा 17 बताया था। दिल्ली पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को हिरासत में लिया है। बजाज पर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। हादसे के बाद पुलिस उसके घर पहुंची थी। लेकिन, लवकेश परिवार समेत घर से गायब था।

दिल्ली फायर सर्विस और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मालवीय नगर में मौजूद इस होटल के रेस्टोरेंट में सुबह 8.50 बजे आग लगी। आग ऊपरी मंजिलों पर बने कमरों और बेसमेंट तक पहुंच गई। चीफ फायर ऑफिसर अभिलाष मलिक ने कहा, बिल्डिंग की फायर NOC नहीं थी। होटल में 25 कमरे हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध में नया मोड़: रूस के भीतर बढ़ते हमले बदल रहे हैं जंग की दिशा

रिपोर्ट: सुषमा

अंतरराष्ट्रीय डेस्क | 04 जून 2026

।रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंच गया है, जिसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यूक्रेन द्वारा रूस के प्रमुख शहर सेंट पीटर्सबर्ग के आसपास ड्रोन हमले किए जाने के बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या युद्ध अब केवल सीमावर्ती क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा।

रिपोर्टों के अनुसार, यूक्रेन ने रूस के ऊर्जा और रणनीतिक महत्व वाले ठिकानों को निशाना बनाया है। यह हमला केवल सैन्य कार्रवाई नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक मजबूत रणनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है।

युद्ध का बदलता स्वरूप

युद्ध के शुरुआती चरण में अधिकांश लड़ाई यूक्रेनी क्षेत्रों में केंद्रित थी, लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में यूक्रेन ने रूस के भीतर कई महत्वपूर्ण ठिकानों तक अपनी पहुंच दिखाई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी दूरी की ड्रोन तकनीक ने युद्ध की पारंपरिक परिभाषा को बदल दिया है। अब किसी भी पक्ष के लिए अपने महत्वपूर्ण ठिकानों को पूरी तरह सुरक्षित रखना पहले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है।

रूस पर बढ़ता दबाव

सेंट पीटर्सबर्ग रूस का केवल एक प्रमुख शहर ही नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे क्षेत्र के आसपास हमले होना रूस की सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

हालांकि रूस लगातार दावा कर रहा है कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली अधिकांश हमलों को विफल कर रही है, लेकिन लगातार हो रहे ड्रोन हमले यह संकेत दे रहे हैं कि युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है।

वैश्विक चिंता क्यों बढ़ रही है?

रूस-यूक्रेन युद्ध पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को प्रभावित कर चुका है। यदि संघर्ष और व्यापक होता है तो इसका असर यूरोप समेत दुनिया के कई क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

युद्ध की लंबी अवधि और लगातार बढ़ते हमले यह भी संकेत देते हैं कि निकट भविष्य में किसी स्थायी समाधान की संभावना फिलहाल कम दिखाई दे रही है।

संपादकीय दृष्टिकोण

रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियां केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रह गई हैं। यह युद्ध आधुनिक सैन्य तकनीक, वैश्विक सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय शक्ति संतुलन की नई परीक्षा बनता जा रहा है। ऐसे समय में दुनिया की निगाहें केवल युद्ध के मैदान पर नहीं, बल्कि उन कूटनीतिक प्रयासों पर भी टिकी हैं जो इस संघर्ष को और अधिक फैलने से रोक सकते हैं।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर, मृतकों की संख्या 600 के पार

Editorial | सुषमा की कलम से

रिपोर्ट: सुषमा
अंतरराष्ट्रीय डेस्क | 04 जून 2026 |

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप गंभीर, मृतकों की संख्या 600 के पार
स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, संक्रमण रोकने के लिए तेज किए गए बचाव अभियान

बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, खसरे से संबंधित पुष्ट और संदिग्ध मामलों में मृतकों की संख्या बढ़कर 601 हो गई है। पिछले 24 घंटों में सात बच्चों की मौत दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, मार्च के मध्य से शुरू हुए इस प्रकोप के बाद देशभर में हजारों नए मामले सामने आए हैं। बड़ी संख्या में बच्चों को अस्पतालों में भर्ती कराना पड़ा है, जबकि स्वास्थ्य एजेंसियां संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लगातार निगरानी और बचाव अभियान चला रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित टीकाकरण में आई कमी और प्रतिरक्षण कवरेज में गिरावट के कारण स्थिति और गंभीर हुई है। बच्चों को समय पर टीका लगाने तथा संक्रमण के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि देश के कई क्षेत्रों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में निगरानी व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है ताकि संक्रमण को आगे फैलने से रोका जा सके।

बांग्लादेश में बढ़ते खसरा मामलों को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी चिंता जता रहे हैं और इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती मान रहे हैं।